

## AIC Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship - IM-BHU

(Regd. Office: Institute of Management Studies, BHU, Varanasi-221005)

BANARAS HINDU UNIVERSITY

### *Post Inaugural Session of* **AIC- Mahamana Foundation for Innovation and** **Entrepreneurship - IM-BHU** (18 September 2018)



“All our dreams can come true if we have the courage to pursue them”. But sometimes only courage is not enough; it needs proper direction, channel and technical and financial support for its fulfillment. Government of India’s flagship event Atal Innovation Mission (AIM) intends to support the establishment of new **incubation centers** called **Atal Incubation Centres (AICs)** that would nurture innovative start-up businesses in their pursuit to become scalable and sustainable enterprises. Banaras Hindu University adds one more feather in its wings by setting up Atal Incubation Centre in the name of ‘**AIC – Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship**’ in its campus by the initiative of NITI Aayog, Government of India.

Post to the inaugural by the Honorable Prime Minister, Shri Narendra Modi, the Institute of Management Studies, BHU had the privilege of hosting a discussion session on the importance of entrepreneurship and innovation. The session was initially inaugurated by **Prof. P S Tripathi, Head, Dean & Director, IM-BHU, Prof. H P Mathur, Sir Sudhakar Rao, Charman, BSE Institute and Prof. H C Chaudhary, Former Dean, IM-BHU**. Later on the whole audience was dignified by the presence of **Shri R Ramanan, Addn. Secretary & Project Director, Shri UnnatPandit, Manager-AIM, NITI Aayog, Shri Ambarish Dutta, MD & CEO, BSE Limited**. Along with other dignitaries and faculty members of the institute.



Shri R. Ramanan, Addl. Secretary & Project Director, AIM, NITI Aayog with other dignitaries in the Post Launch function of AIC – Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship – IM-BHU Post Launch Function – 18 Sept 2018)

The welcome addressing was done by **Prof. P S Tripathi** who highlighted about the history, particularly specialty of the Institute. Moreover, He added that creativity and innovation needs hand holding that will be provided by AIC in our Institute.

The session was further continued by **Prof H C Chaudhary** who stressed on the entrepreneurial journey of IM-BHU and suggested that social innovation entrepreneurship shall be the future of current scenario.

The further enlightening of the audience was done by **Shri Ambarish Dutta** who discussed about the excitement that BSE has to get the opportunity of establishing and working in collaboration with NITI Aayog and BHU. He was further excited to see the level of enthusiasm that is being observed in the city like Varanasi.

Following to Shri Ambarish Dutta, **Shri UnnatPandit** discussed about special purpose vehicle (AIC) and its initial growth till date. He further emphasized for new India we have to envision something out of the box and we have to be self-made CEO rather than job seekers. He further added about finally selected ideas among total applications which was 20 out of 80. He was delighted to see such a

considerable responses in such a short span of time and that broadened his expectations in imminent course of time.

The audience was further exhilarated by **Shri R Ramanan** when he spoke about



the importance of the youth in this fastest growing economy. He discussed about the state of the art technology in nurturing new innovative ideas in India. Furthermore, he asked students to be a problem solver and dare to dream, dream to dare to reach your desired dreams. He further discussed about the role of AIC where the effort of govt. is designed to convert innovative ideas into products.

The most awaited speaker came at the last leg of the session who was **Sri Sudhakar Rao**. He discussed about the myriads of opportunities that are blooming right now were not in his time. He said “new things are seducing but not easy and to achieve them you have to give hard work your topmost priority”. He asked students not to hesitate to do anything new because your hard work will eventually pay off.



On the conclusion of the event, the vote of thanks to all the dignitaries was proposed by **Prof H. P. Mathur**. He covered the major aspects of the speeches of all the speakers and appreciated the efforts of the professors of IM BHU whose relentless efforts have taken shape in the cultivation of the AIC in the campus.

Known by his friendly nature as he is, he didn't forget to acknowledge the organizing team of the event and the hoist for the event Ms. Pallavi Thacker.

समाज में उद्यमिता तथा आविष्कारक प्रवृत्त को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का प्रबंध शास्त्र संस्थान द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का विचारों को आधारित आधुनिक अटल इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का कर कमलों द्वारा की गयी।



हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की एक आधुनिक, अभिनव भारत एवं सम्पूर्ण राष्ट्र की प्रगति, विकास एवं सामाजिक कल्याण का प्रतिबद्धता की परिश्रम का प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए 'नीति आयोग' का 'अटल इंक्यूबेशन मिशन' की पहल है

यह नवाचार और उद्यमशीलता की सांस्कृतिक को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रारम्भ किया गया कार्यक्रम है जो पारिस्थितिक तंत्र की स्थापना और प्रचार को विभिन्न स्तर पर प्रोत्साहित करता है जैसे

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विज्ञान इंजीनियरिंग और उच्च शिक्षक संस्थान एवं एस0 एम0 ई./ एम0एस0एम0ई0, उद्योग, कापोरेंट और एन0जी0ओ0 स्तर पर, इन अतिव्यापी उद्देश्यों को बढ़ावा देना। अटल इंक्यूबेशन मिशन द्वारा दश भर छात्रों को एक प्रयोगशाला का माध्यम से उनकी प्रारम्भिक उलझनों तथा समस्याओं को सुलझाने और विद्यालय स्तर पर हो रही समस्याओं को शक्तिशाली प्रयोगशाला का माध्यम से समझना का प्रयास किया जायगा। 'अटल इंक्यूबेशन सप्टर' विश्वविद्यालयों और उद्योगों में उद्यमिता को बढ़ावा देना, सामाजिक व पारिस्थिक प्रभाव को लक्ष्य प्रौद्योगिक संचालित नवाचारों और उत्पाद निमाणर इत्यादि को बढ़ावा देना। किलाए 'अटल न्यू इण्डिया' और 'अटल ग्रुड' चुनौतियों को स्वीकार करता है।



Shri R. Ramanan, Addl. Secretary & Project Director, AIM, NITI Aayog with other dignitaries in the Post Launch function of AIC – Mahamana Foundation for Innovation and Entrepreneurship – IM-BHU Post Launch Function (18 Sept 2018)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को नीति ंयोग द्वारा अटल इंक्यूबेशन सप्टर से सम्मानित किया गया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, मुम्बई नभारत सरकार की पहल को ंग बढ़ाते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की इस योजना का साथ साझा करनी सहमित प्रदान की है। कार्यक्रम की शुरु ंत संस्थान निदेशक प्रो.पी.एस. त्रिपाठी का स्वागत भाषण का साथ हुआ। प्रो त्रिपाठी ने संस्थान का स्वर्ण ं इतिहास का वर्णन करत हुए ं ज कि द ंन को एक महत्वपूर्ण क्षण बताया जो की समाज में उद्यमिता का अवसर किवो कि सत करन ंमें बहुमूल्य योगदान देना। उन्होंने छात्रों को इस मिशन का साथ जुड़

रहने को प्रेरित किया । तत्पश्चात संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. एच सी चौधरी ने संस्थान के उद्यमिता के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण उपलिब्धियों का वर्णन करते हुए कहा की सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में आज संस्थान राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम जैसे की उत्थान इत्यादि आयोजित करा कर निरंतर प्रगति कर रहा है एवं ए.आई.सी इसी सफ़र का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है ।

तत्पश्चात बी.एस.ई.आइ.एल के एम.डी श्री अम्बरीश दत्ता ने छात्रों को रचनात्मक विचारों को विकसित करने पर जोर देते हुए कहा की आज युवा उद्यमी वर्ग अपने विचारों और रचनात्मकता से ही भारत में नौकरी के अवसरों को सत कर रहा है । इसके बाद डॉक्टर उन्नत पंडित (AIM नीति आयोग) ने स्टार्टप-इंडिया और स्टैंडप-इंडिया जैसे सरकार के कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए कहा की AIC सरकार की नीतियों को बढ़ावा देने और उद्यमिता विकसित करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्टार्टप के क्षेत्र में अस्सी प्रिविष्टियों में से बीस चयनित प्रिविष्टियों को बधाई दी ।

इसके बाद एडिशनल सेक्रेटरी एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर ए.आई. एम्, नीति



आयोग श्री आर. रमनन ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा की बी.एच.यू. जैसे उत्कृष्ट संस्था में पढ़ना एक सौभाग्य की बात है तथा छात्रों को ए.आई.सी. जैसा अवसर ना केवल खुद के लिए बल्कि पूरे समाज के उत्थान के लिए

उपयोग करने को प्रेरित किया ।

इसके पश्चात श्री सुधाकर राव, Chairman बी.एस.ई.आइ.एल ने प्रबंध शास्त्र संस्थान को आठ हजार प्रिविष्टियों में चयिनत होने और ए.आई.सी. की स्थापना की बधाई देते हुए कहा की बी.एस.ई.आइ.एल संस्थान की इस कार्यक्षेत्र में निरंतर सहयोग करगो ।

इस कार्यक्रम में संस्थान के प्रो उषा किरण राय, प्रो एस.के. दुबे, प्रो. आर. के. लोधवाल डा. अिमत गौतम, डा. आशुतोष मोहन, डा. अनुराग सिंह, डा. शिश श्रीवास्तव, डा. राजकिरण प्रभाकर, डा. अनिदिता चक्रवतीर् उपिस्थत थे ।



धन्यवाद जापन प्लेस्मेंट सेल कोऑर्डर नेटर प्रो एच.पी.माथुर द्वारा दिया गया जिन्होंने प्रो पी वी राजीव का विशेष उल्लेख करते हुए उन सभी के प्रति आभार व्यक्त किया जो इस कार्यक्रम का हिस्सा रहे । कार्यक्रम की सूत्रधार शोध-छात्रा पल्लवी थककर रही ।